वन संरक्षण (प्रश्न -उत्तर)

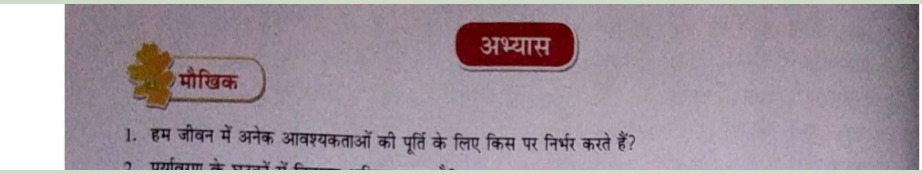

उत्तर:- पर्यावरण पर

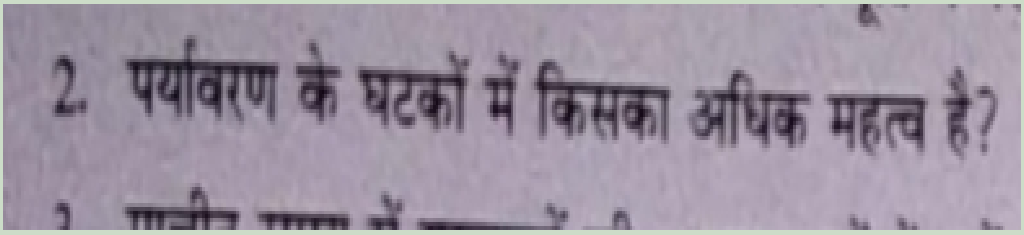

उत्तर - वनों का

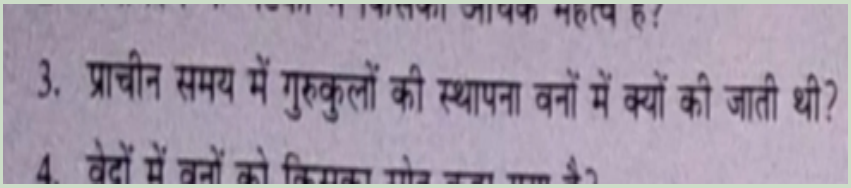

उत्तर : जिससे प्रकृति के साथ संबंध बना रहे।

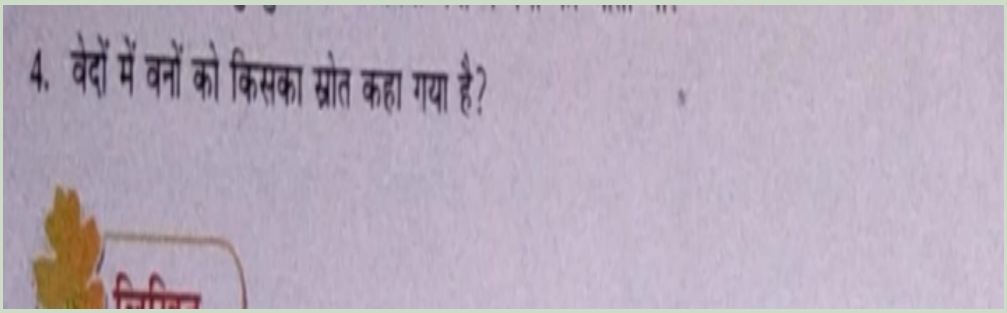

उत्तर : समस्त सुखों का स्रोत

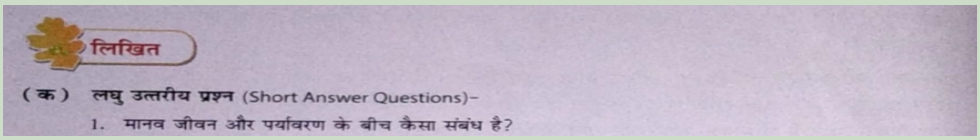
लिखित

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)-

1. मानव जीवन और पर्यावरण के बीच कैसा संबंध है?

उत्तर :- मानव जीवन और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है।पर्यावरण ,मानव जीवन निर्वाह का प्रमुख साधन है,जिस पर हम निर्भर करते है।

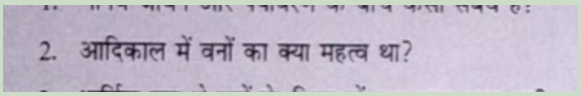
2. आदिकाल में वनों का क्या महत्व था?

उत्तर :- वन आदिकाल से ही हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन रहे हैं। आश्रम के रूप में ,शिक्षा केन्द्र के रूप में तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की प्राप्ती के भी स्रोत रहे हैं।

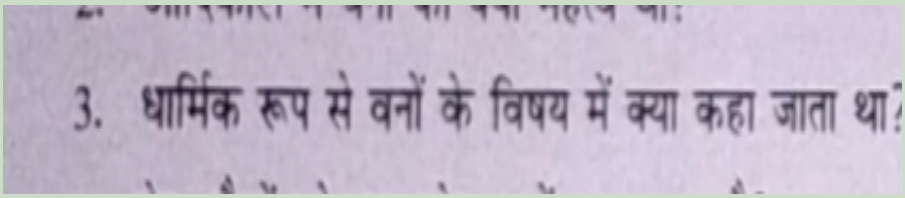
3. धार्मिक रूप से वनों के विषय में क्या कहा जाता था?

उत्तर :- धार्मिक रूप से वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया तथा इसे ईश्वर की विभूति भी कहा गया।

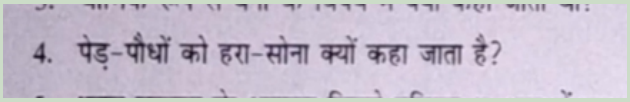
4. पेड़-पौधों को हरा-सोना क्यों कहा जाता है?

उत्तर :-जिस प्रकार सोना बहुमूल्य होता है,उसी प्रकार वनों का महत्व भी अनमोल होता है।उससे प्राप्त ऑक्सिजन (शुद्ध वायु) ,जड़ी- बूटियां तथा अन्य अनेक वस्तुएं भी बहुमूल्य होती हैं। हरे रंग के ये वन चारो तरफ हरियाली भी फैलाते हैं,इसलिए इसे हर सोना भी कहा जाता है।

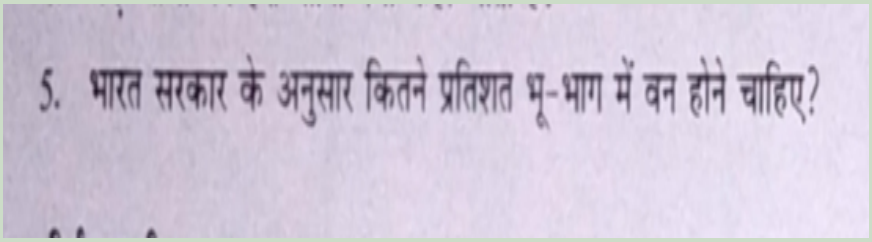
5. भारत सरकार के अनुसार कितने प्रतिशत भू-भाग में वन होने चाहिए?

उत्तर :- भारत सरकार के अनुसार यहां की सम्पूर्ण भूमि के 33% भू - भाग पर वन होने चाहिए ।

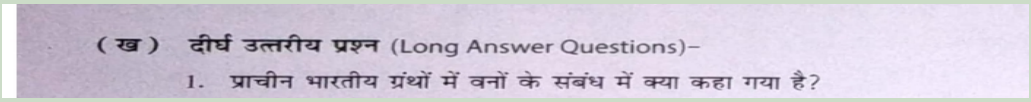
(ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)–
1. प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वनों के संबंध में क्या कहा गया है?

उत्तर :- प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वनों के संबंध में अनेकों बातें कही गई है।अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है। गीता में श्री कृष्ण ने वृक्षो को ईश्वर की विभूति कहा है तथा अग्निपुराण में वृक्षो को नहीं काटने के लिए कहा गया है।

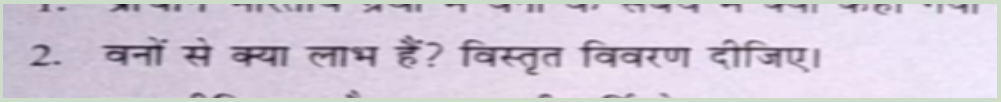
2. वनों से क्या लाभ हैं? विस्तृत विवरण दीजिए।

उत्तर :- वन का मानव जीवन मे विशेष महत्व है।ये न सिर्फ वातावरण को शुद्ध करते है बल्कि पृथ्वी का तापमान भी नियंत्रित करते है।शुद्ध ऑक्सिजन प्रदान करने के लेकर भोज्य पदार्थ तक हमें वनों से ही प्राप्त होते है।गृह -निर्माण ,मेज-कुर्सी ,दरवाज़े -खिड़कियां ,कृषि -उपकरण ,नौकाएं आदि का निर्माण भी इन्ही की देन है।इसके अतिरिक्त ये वन्य -जीवों का निवास-स्थान भी है,जो पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

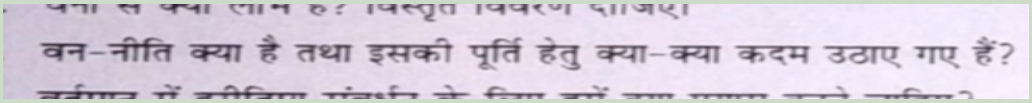
वन–नीति क्या है तथा इसकी पूर्ति हेतु क्या–क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर :-वन -नीति सरकार द्वारा वनों के संरक्षण हेतु बनाई गई नीति है।जिसके अनुसार सम्पूर्ण भूमि के 33 प्रतिशत भाग पर वन का होना आवश्यक है।

इसकी पूर्ति हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा 'सामाजिक वानिकी'जैसे कार्यक्रम भी चलाए जा रहे थे।'एक बच्चा -एक पेड़' कार्यक्रम तथा 'चिपको आंदोलन ' भी इसी का हिस्सा है।

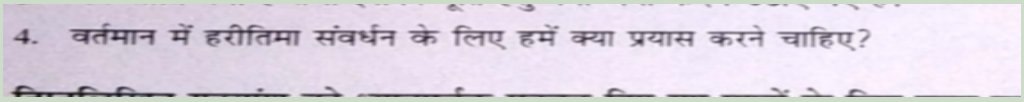
4. वर्तमान में हरीतिमा संवर्धन के लिए हमें क्या प्रयास करने चाहिए?

उत्तर :- वर्तमान में हरीतिमा संवर्द्धन के लिए सबसे आवश्यक रूप से हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए।जितना संभव हो वनों की कटाई पर रोक लगाई जानी चाहिए। इसके साथ ही अभ्यारण्यों को भी संरक्षित किया जाना चाहिए।